क्यूबा की मदद के लिए हाथ बढ़ाएँ।

पिछले 60 से ज़्यादा सालों से अमेरिका क्यूबा के समाजवादी गणराज्य के खिलाफ, उस पर प्रतिबंध लगाकर, आर्थिक युद्ध लड़ रहा है। आर्थिक प्रतिबंधों के जरिए अमेरिका ने क्यूबा के लोगों को भोजन, दवा और दूसरी जरूरी चीजों तक पहुँच से वंचित कर दिया है। ये प्रतिबंध क्यूबा की अर्थव्यवस्था को कमजोर करने के लिए बनाए गए हैं।

अमेरिका क्यूबा पर ऐसे प्रतिबंध क्यों लगा रहा है? 1959 में क्यूबा फिदेल कास्त्रो के नेतृत्व में समाजवादी गणराज्य बना। अमेरिका ने तय किया कि किसी तरह क्यूबा में समाजवादी व्यवस्था को खत्म किया जाना चाहिए। यहाँ यह ध्यान रखना जरूरी है कि फिदेल कास्त्रो की हत्या के 634 प्रयास किए गए। इन सभी हत्याओं के प्रयासों पीछे कोई और नहीं बल्कि अमेरिका की कुख्यात सीआइए का हाथ था।

अमेरिका यह देखकर चिढ़ गया कि क्यूबा के लोग फिदेल कास्त्रो का भारी समर्थन करते हैं। इसलिए अमेरिका ने क्यूबा के लोगों को फिदेल कास्त्रो के नेतृत्व से निराश करने का फैसला किया। अमेरिका अपने प्रतिबंधों के जरिए क्यूबा के लोगों में भुखमरी, स्वास्थ्य समस्याएँ और हताशा लाना चाहता है, ताकि फिदेल कास्त्रो के नेतृत्व को उखाड़ फेंका जा सके। लेकिन, क्यूबा के लोगों ने अपने सभी कष्टों को झेला और फिदेल कास्त्रो के नेतृत्व वाली समाजवादी सरकार का दृढ़ता से समर्थन किया।

फिदेल कास्त्रो के निधन के बाद भी क्यूबा के लोग अपनी सरकार का समर्थन करना जारी रखे हैं। यह ध्यान रखना जरूरी है कि, संयुक्त राष्ट्र ने कई बार प्रस्ताव पारित करके मांग की है कि अमेरिका क्यूबा पर लगे आर्थिक प्रतिबंधों को खत्म करे। लेकिन, अमेरिका इस पर ध्यान देने को तैयार नहीं है।

जब बराक ओबामा राष्ट्रपति थे, तो अमेरिका ने कुछ आर्थिक प्रतिबंधों में ढील दी थी। उस दौरान, अमेरिका ने क्यूबा के साथ राजनयिक संबंध भी बहाल किए। लेकिन, उसके बाद, डोनाल्ड ट्रम्प सत्ता में आए और अमेरिका ने ओबामा प्रशासन द्वारा उठाए गए कदमों को पलट दिया। डोनाल्ड ट्रम्प ने 200 से ज़्यादा प्रतिबंध और लगाए।

कोविड महामारी के दौरान, एक बहुत छोटे देश क्यूबा ने कोविड महामारी से मानवता की रक्षा के लिए 14 देशों को अपनी मेडिकल टीम और उपकरण भेजे। लेकिन, बदले में, डोनाल्ड ट्रम्प ने क्यूबा को ''आतंकवाद का राज्य प्रायोजक'' घोषित किया। जब जो बिडेन राष्ट्रपति बने, तो उम्मीद थी कि वे क्यूबा पर लगाए गए कुछ प्रतिबंधों को हटा देंगे। लेकिन, उन्होंने क्यूबा पर और अधिक प्रतिबंध लगा दिए।

60 से अधिक वर्षों से, अमेरिका क्यूबा के लोगों को भूखा रखने और उन्हें अपने हुक्म के आगे झुकने के लिए मजबूर करने की कोशिश कर रहा है। लेकिन, क्यूबा के लोगों ने अमेरिकी साम्राज्यवाद के दबाव के आगे घुटने नहीं टेके। यदि प्रतिबंध हटा दिए जाते हैं, तो क्यूबा आर्थिक और सामाजिक विकास का गवाह बनेगा। अमेरिका को डर है कि, क्यूबा के ऐसे आर्थिक और सामाजिक विकास से अमेरिका के लोग प्रभावित होंगे और इससे अमेरिका की पूंजीवादी व्यवस्था खतरे में पड़ जाएगी।

क्यूबा के लोगों ने असाधारण साहस दिखाया है और दुनिया को बताया है कि, वे अमेरिका के सामने झुकेंगे नहीं और वे कोई भी शासन परिवर्तन नहीं चाहते हैं, जैसा कि अमेरिका चाहता है। अब, दुनिया के सभी शांतिप्रिय लोगों के लिए यह समय है कि वे क्यूबा को धमकाने वाले अमेरिका के खिलाफ अपनी आवाज उठाएं। यह हमारे लिए भी समय है कि हम खड़े हों और क्यूबा के लोगों की मदद के लिए हाथ बढ़ाएँ।

****

CHQ - BSNLEU, New Delhi.